रूसी छात्रों ने यूपीईएस में कहा 'इंडिया स्टैक'

यूपीईएस में रूसी छात्रों ने व्यावहारिक सामाजिक-सांस्कृतिक अनुभवों को बखूबी जिया

भास्कर समाचार सेवा

कार्यक्रम के दौरान रूसी छात्र।

देहरादून। यूपीईएस ने हाल ही में बिधौली और कंडोली स्थित अपने परिसरों में इंडिया इमर्शन प्रोग्राम संपन्न किया। इंडिया इमर्शन कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को विविध संस्कृतियों, व्यावसायिक प्रथाओं और सामाजिक संदर्भों से अवगत कराकर एक अनोखा और समृद्ध अनुभव प्रदान करना है। यह व्यापक दृष्टिकोण वैश्विक मानसिकता, सांस्कृतिक अनुकूलनशीलता और वैश्विक मुद्दों की गहरी समझ को बढ़ावा देता है और छात्रों को ग्लोबल लीडर बनने के लिए बेहतर ढंग से तैयार करता है। विश्वविद्यालय ने रूस में नेशनल रिसर्च यूनिवर्सिटी हायर स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स (एचएसई विश्वविद्यालय) से 13 छात्रों और 4 फैकल्टी सदस्यों का स्वागत किया। 15 दिवसीय कार्यक्रम के दौरान, इन रूसी छात्रों ने विभिन्न सत्रों में भाग लिया, आसपास के स्कूलों, गांवों और गैर सरकारी संगठनों का दौरा किया। एचएसई छात्रों को भारत के आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक परिदृश्य प्रदान करने के लिए तैयार, इन शीतकालीन स्कूल सत्रों ने देश के रेगुलेटरी फ्रेमवर्क, और नीतियों में अंतर्दृष्टि प्रदान की। भारत के जीवंत नागरिक समाज परिदृश्य और सामाजिक मुद्दों पर इसके प्रभाव पर अंतर्दृष्टि प्रदान करते हुए, विश्वविद्यालय ने पर्यावरणविद्, और हिमालय पर्यावरण अध्ययन और संरक्षण संगठन (हेस्को) के संस्थापक पद्म भूषण डॉ. अनिल प्रकाश जोशी द्वारा एक कार्यशाला का भी आयोजन किया। सेशन में गैर सरकारी संगठनों, सामुदायिक संगठनों और वकालत समूहों सहित भारत के विविध नागरिक समाज और सामाजिक, पर्यावरणीय और मानवीय चुनौतियों से निपटने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका का अवलोकन प्रस्तुत किया गया।

यूपीईएस स्कूल ऑफ लिबरल स्टडीज के डीन डॉ. शुभाशीष गंगोपाध्याय के एक आकर्षक सेशन में छात्रों को भारत के आर्थिक सुधारों के बारे में जानने का भी अवसर मिला। सेशन में आर्थिक सुधारों के इतिहास, महत्व और संभावनाओं पर चर्चा की गई। विंटर स्कूल के पहले संस्करण में इंडिया स्टैक, भारत के डिजिटल बुनियादी इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे विषयों पर सेशन भी शामिल थे, जिसका उद्देश्य पूरी आबादी के लिए पहचान, डेटा और भुगतान की आर्थिक प्राथमिकताओं को अनलॉक करना है। इसके अतिरिक्त, एक अन्य सेशन भारत के कॉर्पोरेट परिदृश्य में पर्यावरण, सामाजिक और शासन (ईएसजी) की बढ़ती प्रमुखता पर केंद्रित था, जिसने प्रतिभागियों को मूल्यवान अंतर्दृष्टि से अवगत कराया।

इसके अलावा, यूपीईएस ने छात्रों को शारीरिक और मानसिक रूप से तरोताजा होने का मौका देने के लिए ऋषिकेश और मसूरी में खेल गतिविधियों और योग रिट्रीट का भी आयोजन किया।